तैयारी सोशल मीडिया में कसे जा रहे तंज

एक तरफ कचरे का ढेर, दूसरी तरफ डिवाईडरों की रंगाई-पुताई

शहर को स्वच्छता में नंबर 1 पर ले जाने का सपना अभी लग रहा दूर

स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियां निगम ने की शुरू

नवभारत,जबलपुर। एक तरफ जहां नगर निगम द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर डिवाइडरों की रंगाई-पुताई का काम शुरू कर दिया गया है तो वहीं दूसरी तरफ रांझी भगत सिंह वार्ड की ताजी तस्वीर स्वच्छता के तमाम दावों की पोल खोलती सोशल मीडिया में नजर आ रही है। वायरल तस्वीर में एक तरफ कचरे का बड़ा ढेर लगा हुआ है और आवारा जानवर उसमें मुंह मार रहे हैं।

जानकारी के अनुसार स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियां नगर निगम द्वारा शुरू कर दीं गईं हैं जिसको लेकर शहर के डिवाइडरों की रंगाई पुताई का काम शुरू हो चुका है। ऐसे में रांझी भगत सिंह वार्ड सहित उन इलाकों के लोग निगम प्रशासन से ये कह रहे हैं कि आयुक्त महोदय हमारे इलाके में भी सफाई करवा दीजिए क्योंकि स्वच्छता सर्वेक्षण की रिपोर्ट में हम लोग भी कहीं न कहीं आपके काम आएंगे। विदित हो कि देश में स्वच्छता में 5वें स्थान पर आए नगर निगम जबलपुर को निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार और महापौर अब पहले नंबर पर ले जाने का सपना देख रहे हैं लेकिन जमीनी हकीकत इन सपनों पर पानी फेरते हुए नजर आ रही है।

फटकार के बाद भी नहीं सुधर रहे जिम्मेदार

लिहाजा समीक्षा बैठकों में जरूर निगमायुक्त द्वारा लापरवाह अधिकारी कर्मचारियों के खिलाफ एक्शन लिया जाता रहा है बावजूद इसके जिम्मेदार सुधरने तैयार नहीं है। इसका उस वक्त पता चलता है जब वार्डों में महीनों से पड़े कचरे के ढेरों की समस्या सार्वजनिक होती है और विपक्ष इन मुद्दों को उठाकर निगम प्रशासन को कार्रवाई करने मांग करती है।

इनका कहना है

शहर में नियमित साफ सफाई के लिए सफाई अमले को निर्देशित किया जाता है कि कहीं भी गंदगी न रहे हर जगह सफाई रहे। अगर इसके बाद भी कहीं कोई शिकायत आती है तो उस इलाके में सफाई अमले को भेजकर सफाई करा दी जाती है।

अंकिता बर्मन
स्वच्छता अधिकारी,
नगर निगम।

स्टेशन मार्ग पर बीचोबीच जमी मेट्रो बसे, यात्रियों को सता रहा ट्रेन छूटने का डर

जबलपुर, नवभारत। शहर के मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्र 6 के बाहर बेतरतीब तरीके से खड़ी मेट्रो बसों के कारण आए दिन जाम की स्थिति बन रही है। सिर्फ़ रेलवे स्टेशन ही नहीं नगर के अन्य प्रमुख मार्गों पर भी ऐसे ही हालात बने हुए है। बात करे अगर मुख्य रेलवे स्टेशन के बाहर की तो यहां बनी सड़को पर मेट्रो बस चालक अपनी मनमानी पर उतारू हो चुके है। वे बसो में यात्रियों में को बैठाने की होड़ में बीच सड़कों पर घंटों बसों को खड़ा कर देते है। इससे आमजन, वाहन चालकों व अन्य राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यही नहीं रेलवे स्टेशन के बाहर ट्रेन आने के समय टैक्सी और ऑटो चालक भी अपने वाहनों को सड़क के बीचो बीच ही खड़ा कर सवारियां बैठाने में लग जाते हैं।

जाम के कारण ट्रेन छूटने का डर

रेलवे स्टेशन जैसे जरूरी मार्गों में वाहन खड़े रहे के कारण सड़क संकरी हो जाती है और यातायात बाधित हो जाता है। कई बार रेलवे स्टेशन से उच्च न्यायालय मार्ग तक ऑटो की लंबी कतार लग जाती है, जिससे आवागमन प्रभावित होता है। वहीं रेलवे स्टेशन परिसर में टैक्सियों के खड़े रहने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध होने के बावजूद कई टैक्सी चालक अपनी गाड़ियां स्टेशन के बाहर सड़क पर ही खड़ी कर देते हैं। इससे यातायात व्यवस्था बिगड़ जाती है और जाम की समस्या खड़ी हो जाती है। जिसके चलते यात्रियों को उनकी ट्रेन छूटने का डर भी सताने लगता है। इसी प्रकार पुराना बस स्टैंड, इंदिरा मार्केट रोड, पर्यटन चौराहे पर भी मेट्रो बसों के चालक बीच सड़क पर भारी भरकम बसें खड़ी कर सवारियां बटोरते रहते है।

आउटसोर्स कर्मियों को नया न्यूनतम वेतन लागू करने की मांग

कर्मचारियों को योग्यता अनुसार दिया जाए वेतन

नवभारत,जबलपुर। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी.पी. पाठक ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा तथा एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के सीएमडी को पत्र लिखकर बिजली कंपनियों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों को शासन द्वारा घोषित नए न्यूनतम वेतन का भुगतान अप्रैल 2026 से सुनिश्चित करने की मांग की है। पत्र में बताया गया है कि अकुशल श्रमिकों के लिए 20,358, अर्धकुशल के लिए 22,568, कुशल के लिए 24,864 तथा उच्च कुशल श्रमिकों के लिए 26,960 रुपए न्यूनतम वेतन निर्धारित किया गया है, जिसका पालन अनिवार्य रूप से किया जाए। फेडरेशन ने यह भी मुद्दा उठाया कि उच्च कुशल योग्यता रखने वाले कर्मचारियों को वर्तमान में केवल कुशल श्रेणी का वेतन दिया जा रहा है, जिससे उनमें असंतोष है। उन्होंने मांग की कि टेंडर शर्तों एवं कंपनी स्तर पर आवश्यक नीति संशोधन कर उच्च कुशल कर्मचारियों को उनकी योग्यता के अनुरूप वेतन दिया जाए। इस संबंध में वरिष्ठ जोनल सचिव एन.के. यादव (इंदौर) द्वारा भी पत्र प्रेषित किया गया है। फेडरेशन के यू.के. पाठक, दिनेश दुबे, अनूप वर्मा, उमाशंकर दुबे, केदारनाथ अग्निहोत्री, सीताराम कुरचानिया, श्याम मोहन वर्मा, अविनाश तिवारी, सुधीर मिश्रा, दीपक मेमने, विजय तिवारी, योगेश डोंगरे, मोहन श्रीवास, राजेश मिश्रा, मोहित पटेल, मनोज पाठक, योगेश पटेल, दिलीप पाठक, आर.के. चौबे, दयाशंकर, सतेन्द्र सुहाने और दिनेश गोस्वामी ने भी कर्मचारियों के हित में इस मांग का समर्थन किया है।

नौकरों ने महंगे शौक पूरे करने में उड़ाई चोरी की रकम, कार, बाइक भी खरीदी

विश्वासघात कर 18 लाख नगद व जेवर चुराने वाले जीजा-साले गिरफ्तार, पांच लाख कैश जब्त

जबलपुर। कैंट थाना अंतर्गत सदर इलाके में रहने वाली युवती के घर में काम करने वाले पांच साल के पुराने नौकरों ने विश्वासघात करते हुए करीब 18 लाख रुपये नगद और सोने के जेवर पर हाथ साफ कर दिया था। मामले में पुलिस ने आरोपित जीजा-साले को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से चुराई गई रकम में से पांच लाख रूपए नकद जब्त कर लिया गए है बाकी रकम नौकरों ने अपने महंगे शौक पूरे करने में उड़ा दिए। चोरों ने चुराई गई रकम से कार, बाइक भी खरीद ली थी।

पुलिस के मुताबिक कु.नीलम चंसोरिया पिता स्व. शंकरलाल चंसोरिया 40 वर्ष निवासी सदर केन्ट ने 17 मार्च 2026 को रिपोर्ट दर्ज करायी थी कि 29 अक्टूबर 2025 को भतीजे के साथ वॉलीबॉल प्रैक्टिस के लिए नर्मदा क्लब गई थीं। घर पर उनके दो पुराने और भरोसेमंद नौकर शेख इमरान और उसका जीजा फिरोज मौजूद थे। जब सुबह 10:30 बजे जब वह घर लौटीं, तो दोनों नौकर नदारद थे। अलमारी का लॉक खुला था उसमें रखे 18 लाख रुपये नगद , दो सोने की चेन और एक मोबाइल गायब था। संदेह होने पर

जब वह नौकरों के घर बगीचा क्षेत्र पहुंचीं, तो वहां ताला लटका मिला और दोनों के फोन भी बंद आने लगे। बाद में किसी तरह आरोपियों से पीड़िता का संपर्क हुआ वे घर आए इसके बाद कड़ाई से पूछताछ करने पर उन्होंने पूरी वारदात कबूल कर ली थी। उन्होंने मालकिन से मिन्नतें कीं और कहा कि वे जल्द ही सारा सामान और नगदी वापस ले आएंगे। मालकिन ने 5 साल पुराने संबंध होने के कारण उन पर एक बार फिर भरोसा कर लिया था लेकिन आरोपी वहां से जाते ही दोबारा फरार हो गए थे। इसके बाद मामला थाने पहुंचा था।

माल बरामदगी की डिमांड, दो दिन की मिली रिमांड

कैंट थाना प्रभारी पुष्पेन्द्र पटले ने बताया कि रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर पतासाजी करते हुए नौकर शेख इमरान पिता शेख बबलू, फिरोज खान पिता कंयूम निवासी मदार टेकरी हनुमानताल को गिरफ्तार किया गया। आरोपी शेख इमरान के कब्जे से नकदी 3 लाख रूपये एव आरोपी फिरोज खान के कब्जे से 2 लाख रूपये जप्त किये गये। आरोपियों ने शेष राशि से कार एवं मोटर साइकल खरीदना एवं खाने पीने एवं घूमने में बाकी रकम खर्च कर देना बताये है। दोनों आरोपियों को सोमवार को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से शेष माल बरामदगी के लिए न्यायालय से दो दिन का रिमाण्ड मांगी गई। जिस पर कोर्ट ने दोनों को पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है।

एक नजर में

अकाउंट से लाखों रुपए निकालने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

जबलपुर, नवभारत। सोमवार को जीआरपी ने गाजियाबाद यूपी से अजय कुमार नामक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। जिसने ट्रेन में यात्रा करते वक्त एक यात्री का मोबाइल फ ोन चोरी कर एकाउंट से 4.61 लाख रुपए चोरी कर लिए थे। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी किए गए रुपयों में 95 हजार बरामद किए है। जीआरपी थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत ने बताया कि दिसम्बर 2015 में शमीमुल्ला नामक व्यक्ति का ट्रेन में यात्रा करते वक्त मोबाइल फोन चोरी कर लिया गया। चोरी किए गए मोबाइल फोन से आरोपी ने करीब 4 लाख 61 हजार रुपए निकाल लिए। कुछ दिनों बाद उन्हें पता चला कि उनके खाते से ऑनलाइन लेनदेन के जरिए 4 लाख 61 हजार रुपए निकाले गए है। जिसपर उन्होने जीआरपी थाना में शिकायत की। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी की पहचान करते हुए तीन दिन पहले गाजियाबाद में दबिश देकर मुख्य आरोपी अजय कुमार को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से ठगी की गई रकम में से 95 हजार रुपए बरामद हुए हैं। पुलिस को पूछताछ में आरोपी अजय कुमार ने बताया कि उसके साथ एक और युवक शामिल था पुलिस की टीम अब फरार आरोपी की तलाश में जुटी है।

श्रमिक की मौत पर 50 लाख मुआवजा और कार्रवाई की मांग

नवभारत, जबलपुर। बरगी क्षेत्र के ग्राम मनकेड़ी में श्रमिक धनीराम झारिया की सिंचाई विभाग की दीवार गिरने से हुई मृत्यु के मामले ने तूल पकड़ लिया है। झारिया कल्याण संघ और बहुजन चेतना विकास मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल के अजय झारिया, मथुरा प्रसाद झारिया, राधे झारिया और टिक्कू सिंह लोधी के नेतृत्व में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपए मुआवजा और एक आश्रित को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि श्रमिक को कार्य पर रखने वाले नरहर पटेल ने सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए, जिससे यह हादसा हुआ। इस पर दोषी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की भी मांग की गई। इस मौके पर भीकम झारिया, राजेंद्र मेहरा, अमित मेहरा, देवांशु झारिया, एडवोकेट रजनी झारिया, अजय झारिया (पत्रकार), हरि मेहरा सहित अन्य सामाजिक संगठनों के सदस्य—संतोष मराठा, मनोज बाघमारे, भीमराव सागरे, पंकज पाटिल, भरत कोरी, कैलाश आटनेरे, महेंद्र मलिक, राहुल कोरी, अक्षय कोरी और गुलशन जबलपुरी आदि उपस्थित रहे।

दुकान के नाम को लेकर आपत्ति, टीआई को ज्ञापन

नवभारत,जबलपुर। हिन्दु धर्म सेना के पदाधिकारियों ने अधारताल टीआई को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि अधारताल चौक स्थित दुकान का नाम बदला जाए। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष नीरज राजपूत ने बताया कि अधारताल चौक पर एक युवक द्वारा पिंकी गारमेन्टस के नाम से दुकान संचालित की जा रही है जिससे लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँच रही है। इसलिए दुकान संचालक से कहा जाए कि वे दुकान का नाम बदलें। इस मौके पर संस्थापक योगेश अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष नीरज राजपूत, मुकेश रजक, अविनाश सुखदान, नितेश पटेल, सुशील बर्मन, आकाश रजक, हेमराज उपाध्याय, अभय राजपूत, संदीप चक्रवर्ती, शुभम रैकवार, मुकेश कोरी, अर्पित दुबे, दिलीप पटेल, अर्जुन हितकारी, दीपक सिंह, अजय पटेल सहित अन्य उपस्थित रहे।

जबलपुर पुलिस का प्रदेश में बजा डिजिटल डंका

ई-एफआईआर दर्ज करने में नंबर वन, ई विवेचना में तीसरा स्थान मिला

जबलपुर । प्रदेश में जबलपुर पुलिस का डिजिटल डंका बजा है। दरअसल डिजिटल इंडिया और स्मार्ट पुलिसिंग के दौर में जबलपुर पुलिस ने अपनी कार्यकुशलता का लोहा मनवाया है। क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम (सीटीएनएस) के प्रभावी क्रियान्वयन के फलस्वरूप ई एफआईआर दर्ज करने में जबलपुर जिला पूरे प्रदेश में नंबर वन पर है। वहीं, ई विवेचना (डिजिटल इन्वेस्टिगेशन) के मामले में जिले ने प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल किया है। इस सफलता के पीछे पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के नेतृत्व में की गई निरंतर मॉनिटरिंग, ट्रेनिंग प्रक्रिया की मुख्य भूमिका रही। कप्तान ने समय-समय पर सीटीएनएस कार्य की गुणवत्ता में सकारात्मक सुधार के लिए राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों, विवेचकों की बैठकें ली सीसीटीएनएस में डाटा फीडिंग की समीक्षा की गई। फील्ड पर कार्य कर रहे आरक्षकों की समस्याओं को सुनकर सीसीटीएनएस प्रभारी के जरिए उनका तत्काल निराकरण कराया बल्कि आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

हाईटेक हुई खाकी, कंट्रोल रूम में सीखी बारीकिया

जबलपुर पुलिस अब कागजी कार्रवाई के साथ पूरी तरह डिजिटल हो रही है। कन्ट्रोल रूम में आयोजित की गयी कार्यशाला में विवेचकों को ई साक्ष्य, ई विवेचना, ई-एफआईआर, ई-चालान, ई-संमस की बारिकियां सिखाई गई। ई विवेचना के लिए पुलिस मुख्यालय द्वारा प्रदाय किये गये टैब के माध्यम से सभी विवेचकों को विवेचना, नक्श मौका, सम्बंधी प्रशिक्षण दिया गया। टैब के जरिए घटना स्थल पर पहुंचकर डायरी लेखन, घटना स्थल का नक्शा मौका, अपराध से सम्बंधित वीडियो, फोटो, दस्तावेज आदि अपलोड करना सिखया गया। जिसके परिणाम स्वरूप सीसीटीएनएस में मध्य प्रदेश के जिलो में ई-एफआईआर में जबलपुर जिले ने रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। ई-विवेचना में जबलपुर जिला तृतीय स्थान पर रहा।

क्या है सीसीटीएनएस प्रोजेक्ट

सीसीटीएनएस प्रोजैक्ट राष्ट्रीय ई-गर्वेनेंस योजना अन्तर्गत अपराध एवं अपराधियों का वास्तविक समय में पता लगाना है। सूचना प्रौद्योगिकी की सहायता से अपराधियो की उच्च स्तरीय राष्ट्र व्यापी ट्रैकिंग प्रणाली तैयार करना है।

टॉप जिलों के आंकड़े

जिला	ई एफआईआर	ई विवेचना
जबलपुर	1024	2621
इंदौर सिटी	49	2525
ग्वालियर	252	2433
भोपाल	67	2200
उज्जैन	499	1508
इंदौर देहात	553	1343
सागर	542	1250
शिवपुरी	578	1177

नो एंट्री में घुसे चार हाईवा बीस हजार का लगा जुर्माना

जबलपुर। नो एंट्री में घुसे चार हाईवा को रांझी पुलिस ने पकड़ा है जिनके खिलाफ बीस हजार का जुर्माना लगाते हुए चालानी कार्रवाई की है। रांझी थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी ने बताया कि लगातार नो एंट्री में घुस रहे हाईवा चालकों की शिकायतें मिल रही थी। जिसके चलते यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही थी। पुलिस ने योजना बनाते हुए ट्रैफिक व्यवस्था एवं नो एंट्री के नियमों का उल्लंघ करने वाले चार हाईवा को पकड़ा। दस्तावेजों की जांच पड़ताल के बाद नो एंट्री में घुसने वाले चार हाईवा पर बीस हजान का जुर्माना लगाया गया है।

बाइक चोर चढ़ा पुलिस के हत्थे

जबलपुर । कोतवाली पुलिस ने एक बाइक चोर को गिरफ्तार किया है जिसके कब्जे से चुराई हुई बाइक जब्त की है। टीआई मानस द्विवेदी ने बताया कि रवि शंकर साहू 39 वर्ष निवासी खाई मोहल्ला हनुमानताल 15 मार्च को छोटा फुहारा गुड़हाई गली में खाटू श्याम बाबा के कार्यक्रम में सम्मलित होने के लिये बाइक क्रमांक एमपी 20 एन एफ 7672 से गया था।

जल संरक्षण की ओर बढ़ते कदम

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत संवर रहे हैं शहर के जल स्त्रोत

नवभारत,जबलपुर। मध्य प्रदेश शासन के महत्वाकांक्षी 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत शहर की जल संरचनाओं के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए नगर निगम ने कार्ययोजना पर कार्य शुरू कर दी है । निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने अभियान की विस्तृत समीक्षा की और जल संचयन की दिशा में कई बड़े निर्णयों पर काम प्रारंभ करने निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य न केवल पारंपरिक जल स्त्रोतों को बचाना है, बल्कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से भू-जल स्तर को बढ़ाना भी है।

अभियान की मुख्य झलकियाँ...

- शहर के शासकीय और अशासकीय 1000 से अधिक उद्यानों में सोखता पिट बनाए जाएंगे। इससे वर्षा जल सीधे जमीन के भीतर जाएगा और सूखे की समस्या से निजात मिलेगी।
- जल संकट को दूर करने के लिए शहर के 10,000 भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने का लक्ष्य रखा गया है। यह कदम भविष्य में जल स्वावलंबन की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।
- शहर के पुराने तालाबों और जल निकायों को चिन्हित कर उन्हें पुनर्जीवित करने की कार्ययोजना पर काम शुरू हो गया है। इससे
- शहर की प्राकृतिक सुंदरता और जल स्तर दोनों में सुधार होगा। प्रदूषित जल का उपचार और पुन: उपयोग एस.टी.पी.प्लांट्स के माध्यम से प्रदूषित जल को उपचारित किया जा रहा है।

चुनाव रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में दिखा चुनावी माहौल

कर्मचारियों से मिले प्रत्याशी, हरसंभव मदद करने किया वादा

नवभारत, जबलपुर। आगामी 25 मार्च को होने वाले रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में कर्मचारी संघ चुनाव को लेकर सोमवार को विश्वविद्यालय में चुनावी माहौल देखने को मिला। जहां सभी प्रत्याशी सघन रूप से प्रचार-प्रसार करते हुए नजर आए।

खासतौर पर कर्मचारी संघ में अध्यक्ष पद के प्रत्याशी वीरेंद्र सिंह पटेल ने कार्यकर्ताओं के साथ कर्मचारियों के बीच पहुंचकर चुनाव में सहयोग के लिए आग्रह किया। वीरेंद्र पटेल ने बताया कि उनके द्वारा विश्वविद्यालय में कर्मचारियों को हर संभव मदद करने और उनकी मांगों को

विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ-साथ शासन तक पहुंचाकर पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कर्मचारियों से मिलकर उनकी समस्याओं को भी सुना और उसे पूरा करने का आश्वासन भी दिया। इसके अलावा अध्यक्ष पद के अन्य दो प्रत्याशी प्रेम प्रकाश पुरोहित और संजय यादव भी प्रचार में लगे हुए हैं।

एक- एक पद पर तीन प्रत्याशी लगा रहे दम

उल्लेखनीय है कि कर्मचारी संघ के चुनाव में विभिन्न पदों के लिए तीन-तीन दावेदार मैदान में है। जिसमें उपाध्यक्ष के लिए दो पदों में चुनाव है जिसको लेकर 6 प्रत्याशी मैदान में है। वहीं एक महासचिव पद के लिए तीन उम्मीदवार, एक संयुक्त सचिव के लिए तीन उम्मीदवार, एक कोषाध्यक्ष पद के लिए भी तीन उम्मीदवार तो वहीं कार्यकारिणी सदस्य के पांच पदों पर 15 उम्मीदवार मैदान में उतरे हुए हैं।

आज आखिरी प्रचार, कल होगा फैसला

विश्वविद्यालय में प्रत्याशियों को प्रचार- प्रसार करने के लिए आज अंतिम दिन है। कल 25 मार्च को सुबह 9 बजे से विश्वविद्यालय के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में मतदान शुरू हो जाएगा, जो 1 बजे तक चलेगा। लगभग 1: 30 बजे से मतगणना शुरू होगी, और दोपहर तक विजय प्रत्याशियों की घोषणा के बाद स्थिति पूरी साफ हो जाएगी।